NcertHelp
© www.ncerthelp.com
www.ncerthelp.com

हिंदी (आधार)
कक्षा-12
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

पूर्णांक : 80

खंड (क)

1. **काव्यांश को पढ़कर कोई दो सवाल बनाइए, जो आपको महत्त्वपूर्ण लगते हों।** 2+2=4

मैं कहता हूँ कि मैं क्या करूँ
मनुष्य हूँ तो मनुष्य होने का गौरव है मुझे
बंदर होता तो शायद बंदर होने का गौरव होता
चार टाँगें होतीं तो चार टाँगें होने का गौरव होता
भारत का हूँ तो भारत का होने का गौरव है मुझे
गरीब की संतान हूँ तो गरीब की संतान होने का गौरव है मुझे

2. **गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए सवालों के उत्तर लिखिए। (किन्हीं तीन)** 3x2=6

यह छोटा-सा कस्बा एक दिन डूब जाएगा। इसे खाली करने की आज आखिरी तारीख है यानी 30 जून, 2004, चारों ओर गहमागहमी है। जगह-जगह स्त्रियों-पुरुषों और बच्चों के झुंड नज़र आ रहे हैं। एक संकरी-सी सड़क पर, जिसके दोनों ओर बस्ती है, भीड़ है, लोग हैं, साइकिलें हैं, मोटरसाइकिलें हैं, ठेलेवाले हैं और ट्रक हैं। आसपास की गलियों में भी भीड़ हैं कुछ छोटे ट्रकों में सामान लदा है। मकानों को तोड़ने का काम लगातार चल रहा है। कुदालें, बल्लम और घन चलने की आवाज़ें और अचानक किसी दीवार के भरभराकर ढहने की आवाज़ और धूल के बंवडरों के बीच स्त्रियों के लगातार बोलने और रोने की आवाज़ें पूरे कस्बे में फैली हैं। घर स्त्रियों के ही होते हैं। इस दृश्य को देखकर यही एहसास होता है। चारों ओर मलबा बिखरा हुआ है। इस मलबे पर जगह-जगह हमारी राजनीति के कुकुरमुत्ते भी उगे हुए हैं। लोक-प्रचलित है कि इस नगर को कभी हर्षवर्धन ने बनाया था। इतिहास के ऐसे कोई अवशेष वहाँ नहीं हैं जो इसे प्रमाणित करें। इतिहास न सही, इतिहास का गल्प ही सही। एक समय था जब नदियों के किनारे नई सभ्यताएँ पनपती थीं। नदियों के किनारे नए नगर बसाए जाते थे। हमारे समय का सच लेकिन यह है कि नदियों के किनारे बसे गाँव और कस्बे तोड़े जा रहे हैं। एक नगर तोड़ा जा रहा है और तोड़े जाने का यह दुख सारे फर्क मिटाकर लोगों को आपस में जोड़ भी रहा है।

(क) नदियों के किनारे नगर बसाने के क्या कारण हो सकते हैं?

(ख) अब नदियों के किनारे बसे कस्बे और नगरों को तोड़ा जा रहा है? ऐसा क्यों? क्या आप इससे सहमत हैं?

(ग) दी गई पंक्तियों के लिए कोई अच्छा शीर्षक सुझाइए और कारण भी बताइए।

(घ) 'घर स्त्रियों के ही होते हैं'-क्यों कहा गया होगा?

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

खंड (ख)

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4+4=8

(क) अपने विद्यालय में हुए हिंदी संबंधी गतिविधियों पर एक रिर्पोट लिखिए।

(ख) खेल या संगीत से जुड़े व्यक्तियों से साक्षात्कार करने के लिये पाँच से सात प्रश्न तैयार कीजिए?

(ग) श्रोताओं या पाठकों को बाँधकर रख सकने में टीवी रेडियो प्रिंट माध्यमों में से आप सबसे सशक्त माध्यम किसे मानते हैं और क्यों?

अथवा

निम्न में से किन्हीं दो विषयों पर 60-70 शब्दों में टिप्पणी लिखिए-

(क) फीचर

(ख) संपादकीय

(ग) स्तंभ लेखन

(घ) समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली

4.. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं। सटीक विकल्प चुनकर लिखिए– 6x1= 6

(क) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि–

(*i*) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है।

(*ii*) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जा सकती हैं।

(*iii*) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है।

(*iv*) इससे न केवल खबरों का संप्रेषण, पुष्टि, सत्यापन होता है बल्कि खबरों के बैकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलती है।

(ख) रेडियो समाचार के लिए उपयुक्त भाषा शैली है।

(*i*) जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो।

(*ii*) जो समाचार वाचक आसानी से पढ़ सके।

(*iii*) जिसमें आम बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो।

(*iv*) जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो।

(ग) निम्न में से किसे आप टी.वी. में सूचना देने का चरण नहीं मानते हैं–

(*i*) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज

(*ii*) एंकर बाइट

(*iii*) लाइव

(*iv*) अपडेट

(घ) निम्न में से किसे आप फीचर की विशेषता नहीं मानेंगे–

(*i*) फीचर को सजीव बनाने के लिए उसमें उस विषय से जुड़े लोगों यानी पात्रों की मौजूदगी ज़रूरी है।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(*ii*) कहानी को बताने का अंदाज़ ऐसा हो कि आपके पाठक यह महसूस करें कि वे खुद देख और सुन रहे हैं।

(*iii*) फीचर को किसी बैठक या सभा के कार्यवाही विवरण की तरह लिखा जाना चाहिए।

(*iv*) फीचर को मनोरंजक होने के साथ-साथ सूचनात्मक होना चाहिए।

(च) निम्न में से किसे आप तीसरे दौर की इंटरनेट पत्रकारिता का काल कहेंगे–

(*i*) 1960 से 1980 तक

(*ii*) 1982 से 1992 तक

(*iii*) 1993 से 2001 तक

(*iv*) 2002 से अब तक

(छ) निम्न में से किसे आप समाचार कहना पसंद नहीं करेंगे–

(*i*) प्रेरक और उत्तेजित कर देने वाली हर सूचना।

(*ii*) किसी घटना की रिपोर्ट।

(*iii*) समय पर दी जाने वाली हर सूचना।

(*iv*) सहकर्मियों का आपसी कुशलक्षेम या किसी मित्र की शादी।

अथवा

किसे क्या कहते हैं–

(क) सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखना और उसके बाद घटते हुए महत्त्वक्रम में सूचनाएँ देना...

(ख) समाचार के अंतर्गत किसी घटना का नवीनतम और महत्त्वपूर्ण पहलू...

(ग) किसी समाचार के अंतर्गत उसका विस्तार, पृष्ठभूमि, विवरण आदि देना...

(घ) ऐसा सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन; जिसके माध्यम से सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिया जाता है...

(च) किसी घटना, समस्या या मुद्दे की गहन छानबीन और विश्लेषण...

(छ) वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचारपत्र की अपनी राय प्रकट होती है...

5. नीचे दिए गए समाचार में से 'ककार' ढूँढ़कर लिखिए, जो 'ककार' नहीं हैं उन्हें भी बताइए। 6

परमाणु ऊर्जा पर भारत का सहयोग करेगा जापान

जापान ने असैनिक परमाणु ऊर्जा सहयोग की भारत की पेशकश को मान्यता दी और वादा किया कि इस संवेदनशील मुद्दे पर वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर सक्रिय भागीरदारी निभाएगा।

जापान के विदेश मंत्री तारो असो ने कहा कि हम भारत के रणनीतिक महत्त्व को मानते हैं। वैश्विक तापवृद्धि की नजर से उर्जा जरूरतों को पूरा करने के बारे में उसकी स्थिति को समझते हैं। असो ने बताया कि परमाणु अप्रसार संधि के गैर सदस्य भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय असैनिक परमाणु सहयोग करने के बारे में जापान को सावधानी से अपनी स्थिति समझनी होगी। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरस्त्रीकरण और परमाणु अप्रसार व्यवस्था पर पड़ने वाले असर को देखना होगा। उन्होंने कहा कि इन बिंदुओं को नजर में रखते हुए जापान सरकार अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस मुद्दे पर बातचीत में सक्रिय भूमिका निभाएगी। जापान के इस रुख

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com
www.ncerthelp.com

के मायने यह लगाए जा रहे हैं कि परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह से भारत के ताल्लुकात मे जापान बाधक नहीं बनेगा।

भारत चाहता है कि समूह अपने नियम शर्तों में फेरबदल करे ताकि भारत अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के साथ परमाणु व्यापार कर सके। इस बीच भारत परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) के सभी सदस्यों से समर्थन हासिल करने के प्रयासों की कड़ी में अगले हफ्ते आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को भी राजी करने का प्रयास करेगा। परमाणु मामलों के विशेष दूत श्याम सरन मंगलवार से इन दोनों देशों के दौरे की शुरुआत करेंगे। इस दौरान वे भारत के साफ सुथरें रिकार्ड का हवाला देते हुए परमाणु ऊर्जा के असैन्य उपयोग के संबंध में देश की इच्छाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते में वार्ताकार की भूमिका निभा रहे सरन आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे में वहाँ के मंत्रियों और अधिकारियों से भेंट करेंगे। अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को मजबूती देने के बाद भारत को 45 सदस्यीय एनएसजी के दिशा निर्देशों की रोशनी में विश्व समुदाय से इस परमाणु सहयोग पर समर्थन प्राप्त करना है। अगले महीने की शुरुआत में केपटाऊन में एनएसजी का एक सत्र प्रस्तावित है जहाँ भारत का यह मामला अनौपचारिक चर्चाओं का विषय बन सकता है।

खंड (ग)

6. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए** 5

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे–
यह ध्यान परों में चिड़ियों के
भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

अथवा

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ।।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोउ।

7. **दी गई पंक्तियों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए (किन्हीं तीन)** 2+2+2 = 6

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है?
नहीं सहा जाता है।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com
www.ncerthelp.com

ममता के बादल की मँडराती कोमलता–
भीतर पिराती है
कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है!!

(क) यहाँ अंधकार-अमावस्या के लिए क्या विशेषण इस्तेमाल किया गया है और उससे विशेष्य में क्या अर्थ जुड़ता है?

(ख) भविष्य का सामना करने के लिए 'बहलाती सहलाती आत्मीयता' को उपयोगी नहीं माना गया है। क्यों?

(ग) 'मँडराती कोमलता' शब्द पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) 'पा लूँ', 'झेलूँ', और 'नहा लूँ' शब्दों में अर्थ की दृष्टि से क्या संबंध है?

अथवा

तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया–
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की पलावित माया–
यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

(क) 'ऐ विप्लव के बादल!' संबोधन पर ध्यान दीजिए और बताइए कि विप्लव (क्रांति) और बादल में क्या समानता है?

(ख) सामाजिक क्रांति के संदर्भ में उच्चवर्ग और निम्नवर्ग का भाव किन शब्दों में अभिव्यक्त हुआ है?

(ग) किसानों के संदर्भ में बादल का क्या महत्व है?

(घ) बादलों के आमंत्रण के समय छोटे-छोटे पौधों के हाव-भाव किस प्रकार के हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

8. **किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** 3+3+3=9

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- स्पष्ट कीजिए।

(ख) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करूण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(ग) पंतग के लिए सबसे हल्की, सबसे पतली विशेषणों का प्रयोग क्यों हुआ है?

(घ) नीचे जयशंकर प्रसाद की कविता 'बीती विभावरी जाग री' और अज्ञेय की कविता 'बावरा अहेरी' की कुछ पंक्तियाँ दी जा रही हैं। 'उषा' कविता के समानांतर इन

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

कविताओं के अंशों को पढ़िए और दिए गए बिंदुओं के आधार पर इनका विश्लेषण कीजिए– उपमान शब्द चयन परिवेश

बीती विभावरी जाग री!
अंबर पनघट में डुबो रही–
तारा–घट ऊषा नागरी।
खग–कुल कुल–कुल–सा बोल रहा,
किसलय का अंचल डोल रहा,
लो यह लतिका भी भर लाई–
मधु मुकुल नवल रस गागरी।
अधरों में राग अमंद पिए,
अलकों में मलयज बंद किए–
तू अब तक सोई है आली
आँखों में भरे विहाग री।

– ***जयशंकर प्रसाद***

भोर का बावरा अहेरी
पहले बिछाता है आलोक की
लाल–लाल कनियाँ
पर जब खींचता है जाल को
बाँध लेता है सभी को साथ:
छोटी–छोटी चिड़ियाँ, मँझोले परेवे, बड़े–बड़े पंखों
डैनों वाले डील वाले डौल के बेडौल
उड़ते जहाज़,
कलस–तिसूल वाले मंदिर–शिखर से ले
तारघर की नाटी मोटी चिपटी गोल धुस्सों वाली उपयोग–सुंदरी
बेपनाह काया को:
गोधुलि की धूल को, मोटरों के धुएँ को भी
पार्क के किनारे पुष्पिताग्र कर्णिकार की आलोक–खची तन्वि रूप–रेखा को
और दूर कचरा जलानेवाली कल की उद्दंड चिमनियों को, जो
धुआँ यों उगलती हैं मानो उसी मात्रा अहेरी को हरा देंगी।

– ***सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'***

9. **गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 2+2+2+2 =8

शिरीष तरू सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ए बाह्य परिवर्तन–धूप, वर्षा, आँधी, लू–अपने आपमें सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार–काट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाधीं भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब–जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब तब हूक उठती है–हाय, वह अवधूत आज कहाँ है!

(क) गांधी और शिरीष के पेड़ में क्या समानता देखी गई है?

(ख) उपर्युक्त पंक्तियों को पढ़कर बताइए कि संतुलित व्यक्तित्व के निर्माण में प्रकृति कैसे सहायक हो सकती है?

(ग) 'चिलकती' और 'हूक' शब्दों के लिए अपनी मातृभाषा या परिवेश से कोई अन्य शब्द बताइए?

(घ) 'अवधूत आज कहाँ है'–वर्तमान समय के कैसे अभाव की ओर संकेत है?

अथवा

कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप दीखना बंद हो जाएगा? क्या आँख बंद करके ही हम सपने नहीं लेते हैं? और वे सपने क्या चैन-भंग नहीं करते हैं? इससे मन को बंद कर डालने की कोशिश तो अच्छी नहीं। वह अकारथ है यह तो हठवाला योग है। शायद हठ-ही-हठ है, योग नहीं है। इससे मन कृश भले हो जाए और पीला और अशक्त जैसे विद्वान का ज्ञान। वह मुक्त ऐसे नहीं होता। इससे वह व्यापक की जगह संकीर्ण और विराट की जगह क्षुद्र होता है। इसलिए उसका रोम-रोम मूँदकर बंद तो मन को करना नहीं चाहिए। वह मन पूर्ण कब है? हम में पूर्णता होती तो परमात्मा से अभिन्न हम महाशून्य ही न होते? अपूर्ण हैं, इसी से हम हैं। सच्चा ज्ञान सदा इसी अपूर्णता के बोध को हम में गहरा करता है। सच्चा कर्म सदा इस अपूर्णता की स्वीकृति के साथ होता है। अतः उपाय कोई वही हो सकता है जो बलात् मन को रोकने को न कहे, जो मन को भी इसलिए सुने क्योंकि वह अप्रयोजनीय रूप में हमें नहीं प्राप्त हुआ है। हाँ, मनमानेपन की छूट मन को न हो, क्योंकि वह अखिल का अंग है, खुद कुल नहीं है।

(क) लोभ का संबंध किससे जोड़ा गया है?

(ख) विद्वान के ज्ञान को पीला और अशक्त क्यों कहा गया होगा?

(ग) क्या आप अपूर्णता के बोध को विकास के लिए सहायक मानते हैं?

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में मन की किस अवस्था को उपयुक्त माना गया है? आपकी क्या राय है?

10. **आशय स्पष्ट कीजिए** 3

किसका वतन कहाँ है–वह जो कस्टम के इस तरफ है या उस तरफ

अथवा

सत्ता, शक्ति, बुद्धिमत्ता, प्रेम और पैसे के चरमोत्कर्ष में जब हम आईना देखते हैं तो चेहरा चार्ली–चार्ली हो जाता है।

11. **किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए** 3+3+3 = 9

(क) आप अपने आस-पास के परिवेश से ऐसे प्रसंग बताइए–

(i) जब पैसा शक्ति के परिचायक के रूप में प्रतीत हुआ।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

NcertHelp
© www.ncerthelp.com

(ii) जब पैसे की शक्ति काम नहीं आई।

(ख) 'धिना-धिना......' और 'धा गिड़, धा गिड़..... गिड़, धा गिड़-गिड़' के लिए पहलवान की ढोलक कहानी में क्या शब्द दिया गया है? इन ध्वनियों को सुनकर आप क्या शब्द देना चाहेंगे?

(ग) आपको 'आलो आँधारि' की नायिका बेबी हालदार और भक्तिन में समानता दिखाई पड़ती है?

(घ) चार्ली अपने आप पर सबसे ज्यादा कब हँसता है?

खंड (घ)

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए 5+5 = 10

1. निम्नलिखित में से किसे आप 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की संवेदना कहेंगे और क्यों?
   (क) हाशिए पर जाते मानवीय मूल्य
   (ख) पीढ़ियों का अंतर
   (ग) आधुनिकता का प्रभाव

2. कविता के प्रति अभिरुचि होने से पहले और उसके बाद वाचक की धारण में क्या बदलाव आया?

3. 'ऐन की डायरी ऐतिहासिक दस्तावेज़ के साथ-साथ उसके निजी भावनात्मक उथल-पुथल की गवाह भी है', इस कथन पर विचार कीजिए।

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...